"Kamayani"—Hindi Sahitya Sammelan, Allahabad.

"Tirukural"—Tamil Academy, Madras.

"Ramcharit Manas"—Hindi Sahitya Sammelan, Allahabad.]

श्रीमती चन्द्रावती लखनपाल : मैं यह जानना चाहती हूं कि किस आधार पर पुस्तकें अनुवाद के लिए चुनी जा रही हैं ?

t [SHRIMATI CHANDRAVATI LAKHANPAL: I want to know on what basis these books are selected for translation.]

डा० के० एल० श्रीमाली : मैं निवेदन कर चुका हूं कि सब सोसाइटीज को लिखा गया कि जो सब से अच्छी पुस्तकें हों उनके बारे में लिखें और उसके आधार पर ये पुस्तकें चुनी गईं।

f[DR. K. L. SHRIMALI: I have already stated that all the societies were asked to recommend the best books; on the basis of their recommendations these books have been selected.]

श्रीमती चन्द्रावती लखनपाल : पुस्तकें जांचने की कसौटी क्या रखी गई हैं ?

tr SHRIMATI CHANDRAVATI LAKHANPAL: What have been the criteria for selecting these books?]

डा० के० एल० श्रीमाली : कसौटी तो सोसाइटी के पास थी।

t[DR. K. L. SHRIMALI: The societies had their own criteria.]

बुनियादी तालीम की कमजोरियों का अध्ययन करने के लिए शोध केन्द्र

*५९८. प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बुनियादी तालीम की कमजोरियों का अध्ययन करने के सम्बन्ध में खोज कार्य करने के लिये सरकार ने कोई केन्द्र स्थापित किया है ; और

(ख) क्या बुनियादी तालीम की असफलताओं के कारणों पर कोई पुस्तिकायें अभी तक प्रकाशित की गई हैं ?

t[RESEARCH CENTRES TO STUDY DEFECTS IN BASIC EDUCATION

*598. PROF. R. D. SINHA DINKAR: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:

(a) whether Government have established any centre for doing research work in connection with the study cf the defects in basic education; and

(b) whether any booklets on the causes of the failure of basic education have so far been published? |

THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI) : (a) and (b). No.

कुछ पुस्तकों का हिन्दी में प्रकाशन

*५९९. प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत का इतिहास, विश्व का इतिहास, तथा जीवन की कहानी (विश्व जीवन का इतिहास) प्रकाशित करने की योजना में क्या प्रगति हुई है ;

(ख) किन विद्वानों को इन पुस्तकों का लेखन कार्य सौंपा गया है ; तथा

(ग) ये पुस्तकें मूलतः किस भाषा में लिखी जा रही हैं ?

PUBLICATION OF CERTAIN BOOKS IN HINDI

*599. PROF. R. D. SINHA DINKAR: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:

(a) how far the plan for publishing a History of India, a History of the

fEnglish translation.

world and the Story 01 Lite has progressed;

(b) who are the scholars to whom the writing of these books has been entrusted; and

(c) the languages in which these books are being written originally?]

THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI) : (a) The manuscript of 'History of India' has been received and is under scrutiny. The other two books are under preparation.

(b) The scholars are respectively:

Prof. Sri Ram Sharma, Prof. M. Mujeeb and Dr. E. K. Janaki Ammal.

(c) English.

प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर : सरकार ने इस काम को छोड़ क्यों रखा है ?

+ [PROF. R. D. SINHA DINKAR: Why has the Government left this • work?]

डा० के० एल० श्रीमाली : आपका प्रश्न यह था कि सरकार ने बुनियादी शिक्षा में जो खराबियां हैं उनकी जांच करने के लिए कोई रिसर्च की है । उसकी खराबियों की जांच करने के लिए कोई रिसर्च नहीं की गई है । सरकार की राय में बेसिक एजुकेशन, बुनियादी तालीम, एक बहुत अच्छी प्रणाली है और सरकार चाहती है कि उसका प्रयोग किया जाय ।

t[DR. K. L. SHRIMALI: Your ques-' tion was whether the Government had •done any research work in connection with the study of defects in basic education. No research work has been done in connection with the study • of its defects. In the opinion of the Government basic education is a very good system and the Government want j to make use of it.]

प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर : क्या सरकार को मालूम है कि व्यवहार में सर्वत्र यह प्रणाली असफल हो रही है ?

|[PROF. R. D. SINHA DINKAR: Are Government aware that the system has been unsuccessful in practice everywhere?]

डा० के० एल० श्रीमाली : जी नहीं, सरकार ने इसकी जांच की है और बुनियादी तालीम को जरूरी और सबसे अच्छा तरीका समझती है ।

f [DR. K. L. SHRIMALI: No, Sir, the Government have examined it and consider basic education necessary for the country and also the best system.]

श्रीमती सावित्री निगम : बुनियादी तालीम के इम्पलिमेंटेशन में जो कठिनाइयां हैं उनके बारे में क्या कोई सर्वे कराया गया है ?

f[SHRIMATI SAVITRY NIGAM: Has any survey been made in connection with the difficulties in the implementation of basic education?]

डा० के० एल० श्रीमाली : जी हां, कई बार सर्वे हो चुका है । जो खास कठिनाई है वह आर्थिक कठिनाई है । स्टेट गवर्नमेंटस के पास इतना धन नहीं है कि वह एकदम कम्पलसरी एजुकेशन कर सकें । जहां तक हो सकता है वह काम प्रारम्भ किया जा रहा है ।

trDR. K. L. SHRIMALI: Yes, Sir; survey has been made many times. The main difficulty is of finance. State Governments do not have sufficient finances to introduce compulsory education at once. The work is being started as far as it is possible.]

श्रीमती सावित्री निगम : क्या यह सच है कि केवल आर्थिक कठिनाई ही नहीं है वरन् बुनियादी तालीम में शिक्षा प्राप्त

tEnglish translation.

किये हुये शिक्षकों का अभाव भी उसकी असफलता का एक बहुत बड़ा कारण रहा है ?

t[SHRIMATI SAVITRY NIGAM: Is it a fact that not only the financial difficulty but also lack of teachers trained in basic education has been a major factor in the failure of basic education?!

डा० के० एल० श्रीमाली : जी हां, यह भी एक कारण है, लेकिन भारत सरकार की सहायता से जहां तहां स्टेट गवर्नमेंट्स बेसिक ट्रेनिंग कालेज स्थापित कर रही हैं । भारत सरकार उसमें सहायता दे रही है ।

t[DR. K. L. SHRIMALI: Yes, Sir. it is also a factor, but the State Governments are starting basic training colleges at a number of places with the help of the Central Government. The Government of India is helping them.]

श्रीमती सावित्री निगम : क्या कोई रिपोर्ट भी इस विषय में छापी गई है ?

t [SHRIMATI SAVITRY NIGAM: Has any report been published in this connection?]

डा० के० एल० श्रीमाली : किस विषय में ?

f[DR. K. L. SHRIMALI: In what connection?]

श्रीमती सावित्री निगम : इस विषय में कि इम्पलीमेंटेशन में जो कठिनाइयां हैं उनको किस प्रकार दूर किया जाय ।

t [SHRIMATI SAVITRY NIGAM: In connection with the ways and means to remove the difficulties in the implementation of basic education.]

डा० के० एल० श्रीमाली : उसके सम्बन्ध में तो कोई विशेष जांच नहीं की गई लेकिन बेसिक एजुकेशन की काफी जांच की गई है । बिहार में इसके बारे में काफी सर्वे किया गया था और उसकी रिपोर्ट भी निकली है ।

+ rDR. K. L. SHRIMALI: No special enquiry has been made in this connection but the system of basic education has been examined thoroughly. In Bihar a thorough survey was made and a report has also been published.]

प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर : क्या मन्त्री महोदय को मालूम है कि शिक्षा मन्त्रालय की ओर से एक आदेश पत्र जारी किया गया था कि सभी प्रान्तों के विद्वान लोग मिलकर एक रिसर्च ब्यूरो कायम करें और इस शिक्षा प्रणाली में जो कमजोरियां हैं उनका अध्ययन किया जाय ?

tfPROF. R. D. SINHA DINKAR: Is the hon. Minister aware of a circular letter issued by the Ministry of Education in which it was suggested that the scholars of all the States should establish a research bureau jointly and study the defects in this system?!

डा० के० एल० श्रीमाली : मुझे मालूम नहीं सदस्य महोदय किस सर्कुलर का जिक्र कर रहे हैं । भारत सरकार से कई सर्कुलर्स भेजे गये हैं । एक विशेष सर्कुलर जो दो एक साल पहले भेजा गया था उसकी मंशा यह थी कि अलग अलग स्टेट्स में रिसर्च सेंटर्स कायम किये जांय और एक केन्द्रीय ट्रेनिंग कालेज बनाया जाय जिस में बेसिक एजुकेशन में रिसर्च किया जाय ।

t[DR. K. L. SHRIMALI: I do not know to which circular the hon. Member is referring. The Central Government have sent a number of cir--culars. A special circular, which was issued about two years ago said that research centres should be established

tEnglish translation.

separately in the States and a Central training college should be established for doing research work in connection with basic education.]

प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर : मेरा इसके बारे में यह प्रश्न है कि उसके परिणाम क्या निकले, यह बतायें ?

T[PROF. R. D. SINHA DINKAR: My question in this connection is: What was the result? We may be informed of it.]

डा० के० एल० श्रीमाली : प्रश्न तो आपका उल्टा है । आपने लिखा है कि बेसिक एजुकेशन डिफेक्टिव (defective) है और उसकी जांच की जाय ।

T[DR. K. L. SHRIMALI: Your question is irrelevant. You have written that basic education is defective and research work should be done in con-: nectioh with that.]

प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर : डिफ़ेक्ट्स का ही अध्ययन करने के लिए रिसर्च सेंटर्स हैं ।

T[PROF. R. D. SINHA DINKAR: Are the research centres meant for studying the defects?]

डा० के० एल० श्रीमाली : जी नहीं, सरकार की राय में बेसिक एजुकेशन सब से अच्छी प्रणाली मानी गई है और उसको सफल बनाने के लिए रिसर्च किया जा रहा है ।

UDR. K. L. SHRIMALI: No. Sir; in the opinion of the Government, basic education is the best system and research work is being done to make that successful.]

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION

•600. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister for FINANCE be pleased to .state:

(a) whether the Industrial Finance Corporation of India stipulates that a nominee of the Corporation should be on the Directorate Board or eacn borrowing concern;

(b) if so,

fil the number of Directorate Boards on which the Corporation has appointed such nominees; and

(ii) the names of the concerns which have taken such nominees; and

(c) whether the Corporation also stipulates as to what dividend a bor rowing concern should declare?

THE DEPUTY MINISTER FOR FINANCE (SHRI A. C. GUHA): (a) Under section 25 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948, the Corporation may impose such conditions as it may think necessary or expedient for protecting the interests of the Corporation and securing that the accommodation granted by it is put to the best use by the industrial concerns. In pursuance of this, in suitable cases, the Corporation stipulates as one of such conditions that it may appoint from time to time up to two Directors on the Board of Directors of the borrowing company.

(b) (i) Twenty-four.

(ii) A list showing the names of the concerns on whose Boards of Directors the Corporation has appointed its nominees is laid on the Table of the lioil.S':'

(c) It imposes a condition that dur ing the currency of the loan the divi dend to be paid will be restricted to 6 per cent, per annum on the paid-up capital of the company but a relaxation can be obtained with the written con sent of the Corporation.

Names of concerns on whose Boards of Directors Industrial Finance Corporation has appointed its nominees.

1. Messrs. Great Eastern Electro-platers Ltd., Allahabad.

2. Messrs. Punjab Vanaspati & **Oil** Mills Ltd., Lucknow.

7 English translation.